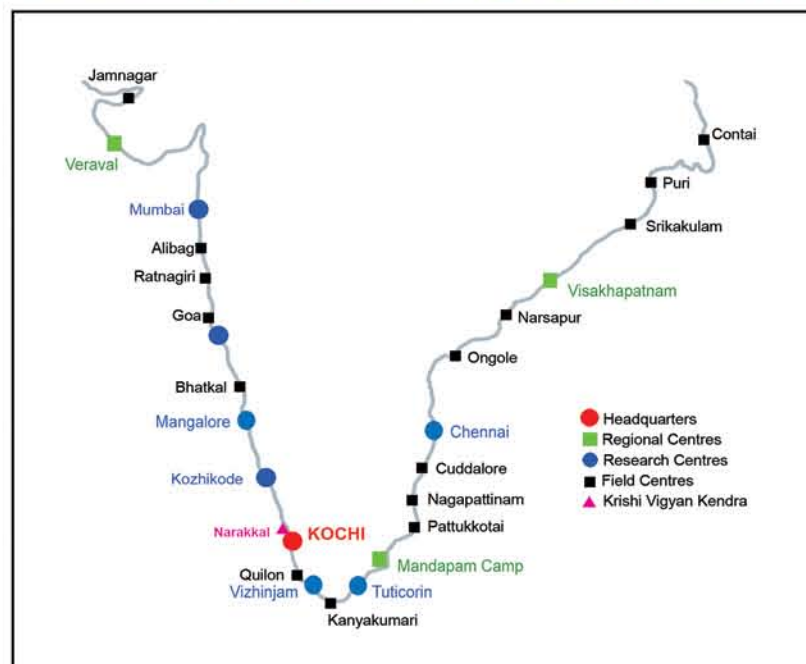




इंदिरा गांधी राजभाषा पुरस्कार 2012-13



खुला सागर पिंजरा



अनुसंधान स्थान

सी एम एफ आर आइ - राष्ट्र की सेवा में

वर्ष 1947 में स्थापित केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान टिकारूपन और खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करते हुए समुद्री प्रप्रहण मात्स्यिकी और समुद्री संवर्धन क्षेत्रों के विकास कार्यों का संवोधन करते रहते हैं।

हमारे विथन

बेहतर तटीय आजीविका के लिए समुद्री संवर्धन से प्रबंधन हस्तक्षेप और वर्धित तटीय मछली उत्पादन द्वारा समुद्री मात्स्यिकी का टिकारूपन।

हमारे मिशन

समुद्री मात्स्यिकी के टिकाऊपन और खुले समुद्र में मछली पालन से उत्पादन बढ़ाने और मछली पालन तलों और आवासों के संरक्षण के लिए एकीकृत समुद्री मात्स्यिकी प्रबंधन नीति विकसित करना।

સી એમ એફ આર આઈ દ્વારા પ્રદત્ત સેવાएं

परामर्श सेवाएं

मान्यिकी संपदा परिरक्षण एवं प्रबंधन, कृत्रिम भित्ति विनियोजन, समुद्री संवर्धन प्रौद्योगिकी, समुद्री अलंकारी मछली सफ्ट-शाला प्रौद्योगिकी, खुला सागर में पिंजरा में मछली पालन, मछली स्टॉक निर्धारण एवं इस से जुड़े हुए कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, जलांदर डाइविंग, सांख्यिकी मेथडोलजी, संघात निर्धारण, डी एन ए प्रोफाइलिंग और बायोप्रोसेसिंग।

विश्लेषणात्मक सेवाएं

तापमान, लक्षणा, विलीन ऑक्सीजन, अकार्बनिक फोस्फेट, नाइट्राइट, सिलिकेट, सी ओ डी, ट्रक अमोनिया, वी ओ डी, धातु के लिए पानी का विश्लेषण और पर्यावरणीय प्राचल, कीचड़/अवसाद विश्लेषण (द्रव, आंगनिक कार्बन, मौजूद फोस्फरस, मौजूद पोटैशियम, टेक्स्चर, भारी धातु) वर्गीकरण पहचान, खाद्य मिश्रण विश्लेषण, कचरा पहचान, इलेक्ट्रो/स्टिरियो माइक्रोकॉपीक कार्य और रोग निदान।



तैयारी : विपिनकुमार वी. पी, अश्वती एन, नारायणकुमार आर, उमा ई. के, शालिनि के. पी, पुष्करन के. एन और अभिलाष पी. आर (2014)